RASHTRIYA SAHARA, Delhi, 27.1.2025
Page No. 7, Size:(27.48)cms X (20.40)cms.

मेक इन इंडिया का बोलबाला रहेगा इंडिया एनर्जी वीक में

■ विनोद श्रीवास्तव

नई दिल्ली। एसएनबी

इंडिया एनर्जी वीक '25 (आईईडब्ल्यू) के आयोजन में इस बार भी 'मेक इन इंडिया' का जोरदार बोलवाला रहेगा। गोवा में गत वर्ष आयोजित आईईडब्ल्यू से ज्यादा प्रदर्शको (एक्जीविटर्स) के शामिल होने की संभावना है। भारतीय एमएसएमई ऊर्जा के क्षेत्र में तरह-तरह के इनोवेशन के प्रदर्शन को तैयार हैं। भारतीय पेट्रोलियम एवं ऊर्जा के क्षेत्र से जुड़ी कम्पनियों ने ऊर्जा के क्षेत्र में विभिन्न विषयगत जोन पर फोकस कर रहा है।

दिल्ली के द्वारका में यशोभूमि में 11-14 फरवरी तक आयोजित होने वाले इंडिया एनर्जी वीक '25 में मेक इन इंडिया पवेलियन में ऊर्जा से क्षेत्र से जुड़ी तीन सौ से अधिक कम्पनियों के शामिल होने की संभावना है।

■ **ऊर्जा के क्षेत्र में भारतीय एमएसएमई करेंगे इनोवेशन का प्रदर्शन**

■ **भारतीय पेट्रोलियम कम्पनियों का रहेगा विभिन्न क्षेत्रों में रहेगा फोकस**

भारत और अन्य देशों से ऊर्जा क्षेत्र की पांच सौ से अधिक बड़ी कम्पनियां इसमें भाग ले रही हैं। 28 हजार वर्गमीटर में आयोजित होने वाले इंडिया एनर्जी वीक 700 प्रदर्शक (एक्जीविटर्स) आएंगे। इसमें मेक इन इंडिया के तहत तीन से अधिक संख्या में भारतीय कम्पनियां शामिल हैं। चार दिनों के आयोजन में 70 हजार से अधिक प्रतिनिधि शामिल होंगे।

इंडिया एनर्जी वीक '25 में भारतीय तेल एवं गैस कम्पनियों और अन्य कम्पनियों ने अपने पवेलियन को ऊर्जा क्षेत्र के विभिन्न विषयगत जोन के साथ प्रस्तुति देने का मन बनाया है। ओएनजीसी ने पेट्रो केमिकल, वीपीसीएल ने इंडिया नेट जीरो, ऑयल इंडिया ने हाइड्रोजन, एचपीसीएल ने रिन्यूब्ल एनर्जी, आईओसीएल ने बायो फ्यूल, ईआईएल ने मेक इन इंडिया, गेल ने सीजीडी और पीएलएल ने एनएनजी थीम पर अपने जोन बनाये हैं। इन कम्पनियों का कुल 28 हजार वर्गमीटर के आयोजन स्थल में से 8265 वर्ग मीटर का थीम आधारित जोन होगा। इंडिया एनर्जी वीक '25 में विदेशी प्रतिनिधियों का भी मुख्य आकर्षण रहेगा। इसमें कनाडा, डेनमार्क, जर्मनी, इटली, जापान, नीदरलैंड, नार्वे, रूस, यूके और यूएसए ने अपने देश के पवेलियन के लिए आवंटन करा रखा है। इन देशों को 1600 वर्गमीटर में पवेलियन बनेगा।